



परसिंपत्त भुद्रीकरण लक्ष्य में वृद्धि

प्रारंभिक परीक्षा के लिये:

[नीति आयोग](#), [राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन](#), [ब्राउनफील्ड सिंपत्त](#), [राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन](#), [सार्वजनिक-नजी भागीदारी](#), [इनफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट](#), [वनिविश](#), [एकाधिकार](#) ।

मुख्य परीक्षा के लिये:

बुनियादी ढाँचे का वित्तपोषण, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (NMP) का प्रदर्शन ।

[स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [नीति आयोग](#) ने वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 25) के लिये परसिंपत्त भुद्रीकरण लक्ष्य को 23,000 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1.9 ट्रिलियन कर दिया है ।

- इसके साथ ही नीति आयोग चार साल की अवधि (वित्त वर्ष 2022-25) के लिये राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (NMP) के तहत निर्धारित कुल 6 ट्रिलियन (6 लाख करोड़ रुपए) के लक्ष्य के करीब पहुँच गया है ।

//

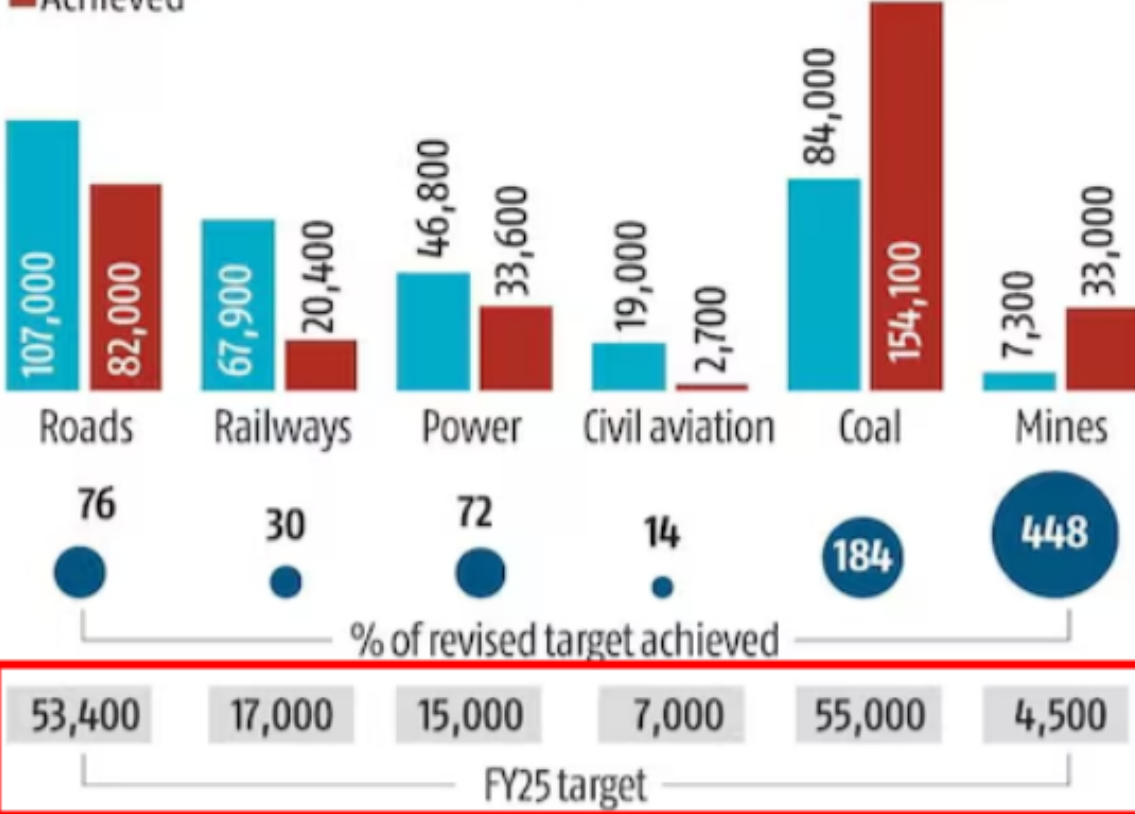
MONETISATION: KEY SECTOR WATCH



Approximate figures in ₹ crore

■ Revised target (2021-24)

■ Achieved



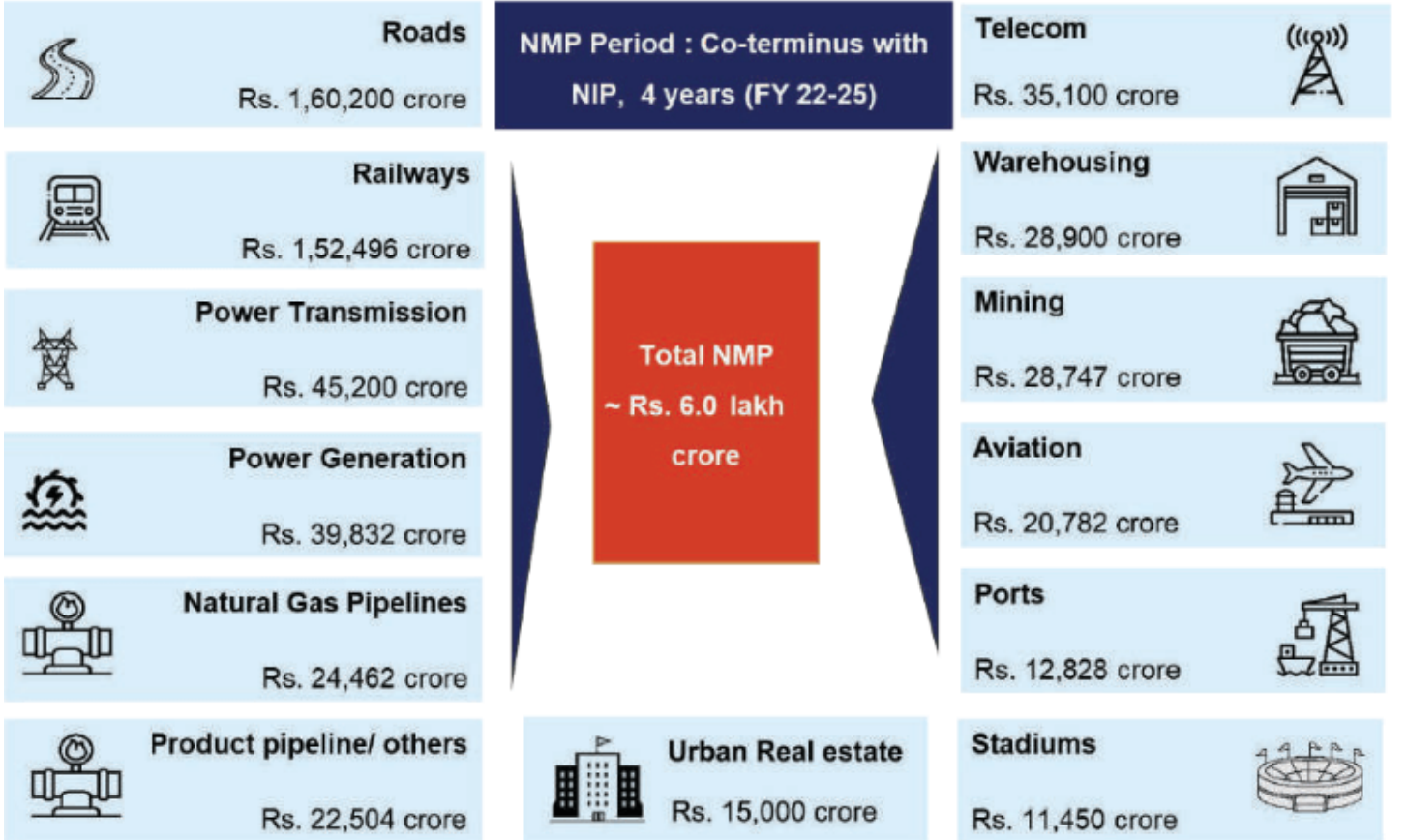
Source: Govt officials, NITI Aayog

परसिंपत्त मुद्रिकरण क्या है?

- परिचय:** किसी परसिंपत्तिका मुद्रिकरण करने का अर्थ है उसे ऐसे रूप में परिवर्तित करना जिससे राजस्व या मुद्रा अर्जति हो सके।
 - मुद्रिकरण में लाभ उत्पन्न करने या इसे नकदी में बदलने के लिये किसी मूल्यवान वस्तु का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिये, सरकार राजकोषीय परतभूतियों का अधग्रहण करके अपने राष्ट्रीय ऋण का मुद्रिकरण कर सकती है, जिससे धन की आपूर्ति बढ़ती है।
- परसिंपत्त मुद्रिकरण की आवश्यकता:** इससे सरकारों और सार्वजनिक संस्थाओं के लिये नए राजस्व स्रोत के क्रम में अल्प उपयोगिता या अप्रयुक्त सार्वजनिक परसिंपत्तियों से लाभ मिलता है।
 - इसका उद्देश्य इन परसिंपत्तियों की पहचान करना और उन्हें बेचे बिना वित्तीय लाभ अर्जति करना है।
- सार्वजनिक परसिंपत्तियों को महत्त्व:** जनि सार्वजनिक परसिंपत्तियों का मुद्रिकरण किया जा सकता है, उनमें सार्वजनिक नकियों के स्वामित्व वाली संपत्तियां शामिल हैं जैसे सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे, पाइपलाइन और मोबाइल टावर जैसी बुनियादी संरचनाएँ।
 - इसका बल ब्राउनफील्ड परसिंपत्तियों पर है जो मौजूदा परसिंपत्तियाँ हैं जनिमें सुधार किया जा सकता है या जनिका बेहतर उपयोग किया जा सकता है।
 - ब्राउनफील्ड परसिंपत्तियों का आशय ऐसी परसिंपत्तियों से है जनिहें कोई नजि कंपनी या निवेशक नई उत्पादन गतिविधि के लिये किसी मौजूदा बुनियादी ढाँचा परियोजना या उत्पादन सुविधा को खरीदता है या पट्टे पर लेता है।
- मुद्रिकरण बनाम नजिकरण:** नजिकरण का आशय नजि क्षेत्र को स्वामित्व का पूर्ण हस्तांतरण करना है जबकि परसिंपत्त मुद्रिकरण में नजि संस्थाओं के साथ संरचति साझेदारी शामिल है, जिससे सार्वजनिक प्राधिकरणों को नजि क्षेत्र की दक्षता एवं निवेश से लाभान्वित होते हुए स्वामित्व बनाए रखने की अनुमति मिलती है।
 - इसका उद्देश्य इन परसिंपत्तियों की पहचान करना और उन्हें बेचे बिना वित्तीय लाभ अर्जति करना है।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (NMP) क्या है?

- **NMP:** NMP, संचालित सार्वजनिक अवसंरचना परसिंपत्तियों के मुद्रीकरण के माध्यम से सतत अवसंरचना ववित्तपोषण को बढ़ावा देने की एक प्रमुख पहल है।
 - इसमें केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की प्रमुख परसिंपत्तियों को पट्टे पर देकर 6 लाख करोड़ रुपए की कुल मुद्रीकरण क्षमता की परकिलपना की गई है।
- **NMP की तैयारी:** नीतिआयोग द्वारा बुनियादी अवसंरचना मंत्रालयों के परामर्श से इसकी तैयारी की गई है।
 - इसमें सड़क, परिवहन, राजमार्ग, रेलवे, वदियुत, नागरिक उड्डयन, दूरसंचार आदि मंत्रालय शामिल हैं।
 - NMP का लक्ष्य ब्राउनफील्ड अवसंरचना परसिंपत्तियों पर है, जिससे सार्वजनिक परसिंपत्तिस्वामियों को रोडमैप मलिन के साथ नजी क्षेत्र को मुद्रीकरण अवसरों का लाभ मलता है।
- **शामल क्षेत्र और परसिंपत्तविरग:** NMP के तहत सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डे, रेलवे, गैस और उत्पाद पाइपलाइनों, वदियुत उत्पादन के साथ ट्रांसमलशन, खनन, दूरसंचार, भंडारण आदि सहल कई क्षेत्रों को शामिल कलया गया है।
 - इसके शीर्ष 5 क्षेत्रों में सड़क (कुल पाइपलाइन मूल्य का 27%), रेलवे (25%), वदियुत (15%), तेल और गैस पाइपलाइन (8%) तथा दूरसंचार (6%) शामिल हैं।
- **मुद्रीकरण ढाँचा:** मुख्य परसिंपत्त के मुद्रीकरण ढाँचे के संदर्भ में तीन प्रमुख अधलदलश हैं।
 - 'स्वामलत्व' नहीं बल्क 'अधकलरों' का मुद्रीकरण: सरकलर परसिंपत्तियों का प्रलथमकल स्वामलत्व अपने पास रखेगी और लेनदेन अवधल समाप्त होने के बाद परसिंपत्तियों सार्वजनकल प्राधकलरण को वलपस हो जाएंगी।
 - स्थरल राजस्व: इसमें स्थरल राजस्व वलली जोखमल मुकत ब्राउनफील्ड परसिंपत्तियों का चयन करनल शामिल है।
 - परभलषतल सलझेदारी: इसमें प्रमुख प्रदरशन संकेतक (KPI) और प्रदरशन मानक को ध्यान में रखते हुए संरचतल सलझेदारियों को सुपरभलषतल संवदलत्तमक ढाँचे के अंतर्गत स्थापतल कलया जनल शामिल है।
- **NIP के साथ संरेखण:** NMP को **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (NIP)** के साथ संरेखतल कलया गया है, जलससे यह सुनश्चितल होता है कल मुद्रीकरण अवधल NIP के साथ समाप्त हो, जो वतलत वरष 2022 से वतलत वरष 2025 तक चलने वलली थी।
 - NMP का उददेश्य 111 टरलललन रुपए की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन में पूंजी का पुनरनवलश करनल है।
 - NIP का उददेश्य सभी आर्थकल और सामलजकल अवसंरचना उप-क्षेत्रों में प्रमुख गरीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परयोजनाओं में नवलश आकर्षतल करनल है।
- **मुद्रीकरण के ललये सलधन:** NMP परसिंपत्तल मुद्रीकरण के ललये वभलनन प्रकार के सलधनों का उपयोग करेगा, जलसमें शामिल हैं:
 - प्रत्यक्ष अनुबंधों के ललये **सार्वजनकल-नजी भलगीदारी (PPP)** संबंधी रललयतें।
 - **इनफ्रास्ट्रक्चर इवेसटमेंट टरसट (इनवटलस)** और अन्य पूंजी बलजलर संबंधी सलधन।
 - इनवटलस, बुनलयादी ढाँचा परयोजनाओं में वयकतगत और संस्थागत नवलशकों से धन का प्रत्यक्ष नवलश करने में सकक्षम बनलता है, जलससे आय का एक हलसलसा प्रतलफल के रूप में अरजतल कलया जल सके।



राष्ट्रीय मुद्राकरण पाइपलाइन की वर्तमान स्थिति क्या है?

- **राजस्व सृजन:** NMP ने पहले तीन वर्षों (वर्ष 24 तक) में 3.9 ट्रिलियन रुपए का राजस्व अर्जित किया है, जो इसके अधिकांश समायोजित लक्ष्यों को प्राप्त करता है। इस अवधि के लिये मूल लक्ष्य 4.3 ट्रिलियन रुपए था।
- **सफल मुद्राकरण:** कोयला मंत्रालय ने 80,000 करोड़ रुपए के अपने चार वर्षीय लक्ष्य के सामने 1.54 ट्रिलियन रुपए एकत्रित किये हैं, जो उम्मीदों से कहीं अधिक है।
 - इसके अतिरिक्त, खदानों का मुद्राकरण 32,000 करोड़ रुपए तक किया गया है, जो 7,300 करोड़ रुपए के संशोधित लक्ष्य से अधिक है।
- **पछिड़े क्षेत्र:**
 - **रेलवे:** प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, रेल मंत्रालय ने पिछले तीन वर्षों में केवल 20,417 करोड़ रुपए मूल्य की परसिंपत्तियों का ही मुद्राकरण किया है, जो अपने संशोधित लक्ष्य का केवल 30% ही पूरण कर पाया है।
 - **वेयरहाउसिंग:** लक्ष्य का 38% प्राप्त हुआ, जो 8,000 करोड़ रुपए है।
 - **नागरिक उद्घनन:** काफी पीछे, लक्ष्य 2,600 करोड़ रुपए की परसिंपत्तियों आधार का केवल 14% ही मुद्राकृत हो पाया है।

NMP के समक्ष चुनौतियाँ क्या हैं?

- **कम मुद्राकरण क्षमता:** NMP का लक्ष्य 6 लाख करोड़ रुपए के मुद्राकरण का है, जो राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (111 लाख करोड़ रुपए) के तहत समग्र पूंजीगत व्यय का केवल 5-6% है।
- **वनिविश में कमी:** वनिविश के लिये चुने गए 13 क्षेत्र हाल के वर्षों में लगातार अपने वनिविश लक्ष्य से भटक रहे हैं। इससे वास्तविक वनिविश लक्ष्य हासिल करने पर संदेह उत्पन्न होता है।
- **दीर्घकालिक अधिकार:** मुद्राकरण से नज़ि अभिकर्त्ताओं को सार्वजनिक परसिंपत्तियों से संचालन और लाभ कमाने के लिये दीर्घकालिक अधिकार (60 वर्ष तक) मिल सकते हैं। इसे वभिन्न लोग नज़िकरण के रूप में देख सकते हैं, जिससे सरकार के आश्यों पर संदेह उत्पन्न होता है।
- **बजट और आय का उपयोग:** NMP में इस बात पर स्पष्टता का अभाव है कि मुद्राकरण से प्राप्त आय को बजट में किस प्रकार शामिल किया जाएगा।
 - इस संबंध में कोई विशिष्ट दिशा-निर्देश नहीं है कि क्या इन नधियों का उपयोग बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण के लिये किया जाएगा या वेतन या सब्सिडी जैसे राजस्व व्यय के लिये किया जाएगा।
- **एकाधिकार:** स्वामित्व के एकीकरण से एकाधिकार को बढ़ावा मिल सकता है, मूलतः राजमार्गों और रेलवे लाइनों के संदर्भ में। इससे मूल्यों में वृद्धि हो सकती है।
- **करदाताओं का धन संबंधी मुद्दा:** करदाता सार्वजनिक परसिंपत्तियों पर संभावित दोहरे शुल्क के बारे में चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने पहले उनके निर्माण के लिये धन मुहैया कराया था और अब मुद्राकरण के बाद नज़ि संस्थाओं को भुगतान के माध्यम से उनका उपयोग करने के लिये अतिरिक्त लागत का सामना करना पड़ रहा है।

आगे की राह

- **अनुबंध-आधारित मुद्राकरण में तेजी लाना:** सरकार को सार्वजनिक-नज़ि भागीदारी (PPP) रणियत समझौतों के माध्यम से अनुबंध-आधारित मुद्राकरण में तेजी लाने को प्राथमिकता देनी चाहिये, विशेष रूप से रेलवे और हवाई अड्डों में, जहाँ नविशकों की अधिक रुचि हो।
- **भूमि मुद्राकरण पहल को लागू करना:** बहुमंजिला इमारतों के विकास में रियल एस्टेट और बुनियादी ढाँचा कंपनियों को शामिल करने से राजस्व उत्पन्न करने के साथ-साथ आवास संबंधी सुविधाओं में भी वृद्धि हो सकती है।
- **स्पष्ट बजट दिशानिर्देश स्थापित करना:** NMP को स्पष्ट दिशानिर्देश स्थापित करना चाहिये कि बजट में मुद्राकरण आय को कैसे शामिल किया जाएगा, तथा यह निर्दिष्ट करना चाहिये कि क्या धनराशि बुनियादी ढाँचे के विकास या परचालन व्यय के लिये आवंटित की जाएगी।

????? ???? ?????:

प्रश्न: राष्ट्रीय मुद्राकरण पाइपलाइन (NMP) के उद्देश्यों की जाँच कीजिये। NMP आर्थिक विकास के लिये सार्वजनिक परसिंपत्तियों का लाभ उठाने की योजना कैसे बनाता है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

?????

प्रश्न: श्रम-प्रधान नरियातों के लक्ष्य प्राप्त करने में वनिरिमाण क्षेत्र की वफिलता का कारण बताइये। पूंजी-प्रधान नरियातों की अपेक्षा अधिक श्रम-प्रधान नरियातों के लिये, उपायों को सुझाइये। (2017)

प्रश्न: हाल के समय में भारत में आर्थिक संवृद्धि की प्रकृति का वर्णन अक्सर नौकरीहीन संवृद्धि के तौर पर किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिये। (2015)

